



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 195]

No. 195]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 9, 2005/वैशाख 19, 1927

NEW DELHI, MONDAY, MAY 9, 2005/VAISAKHA 19, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मई, 2005

सं. 41/2005-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 282(अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, एतद्वारा ऐसे पूंजीगत माल सहित निविष्टियों अथवा माल को जिसका निर्बाध रूप आयात किया जा सकता है, जब उसका भारत में आयात विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.8 के अनुसार विशेष कृषि उपज योजना (विशेष कृषि उत्पाद स्कीम) के तहत जारी किए गए एक शुल्क क्रेडिट प्रमाणपत्र (जिसका इसके पश्चात् उक्त प्रमाणपत्र के रूप में उल्लेख किया गया है) के प्रति किया जाए तो इसे निम्नलिखित से छूट प्राप्त होगी, -

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क से ;

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से,-

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए नामतः :-

(1) यह अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.8.1 में निर्दिष्ट उत्पादों के किसी निर्यातक को उक्त प्रमाण पत्र जारी किया गया है तथा माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क को डेबिट करने के लिए निकासी के समय यह प्रमाणपत्र सीमाशुल्क के उपयुक्त अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए । ;

बशर्ते कि शुल्क से छूट उस स्थिति में लागू नहीं होगी यदि माल पर उद्ग्रहणीय शुल्कों हेतु नामे. खाते डालने के लिए उक्त प्रमाणपत्र में अपर्याप्त क्रेडिट उपलब्ध हो, परन्तु इस छूट के लिए ;

(2) पैराग्राफ.8.3.1 में सूचीबद्ध मदों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(3) यह कि उक्त प्रमाणपत्र के तहत आयात मुम्बई, कोलकाता, कोचीन, मगदल्ला, काकीनाड़ा, कांडला, मंगलौर, मारमागोवा, चैन्नई, नावाशेवा, पारादीप, पीपावव, सिक्का, तूतीकोरिन, विशाखापट्टनम, दाहेज, मुद्रा, नागापट्टिनम, ओखा, बेदी, (रोजी - जामनगर सहित), मुल्दारका और पोरबन्दर स्थित समुद्री पत्तनों के माध्यम से अथवा अहमदाबाद, बंगलौर, भुवनेश्वर, मुम्बई, कोलकाता, कोयम्बटूर, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, चैन्नई, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, वाराणसी, नागपुर, कोचीन और राजासांसी (अमृतसर) स्थित किसी भी विमानपत्तन के माध्यम से अथवा आगरा, बंगलौर, कोयम्बटूर, दिल्ली, फरीदाबाद, गोवाहाटी, गुन्टूर, हैदराबाद, जयपुर, जालन्धर, कानपुर, लुधियाना, मुरादाबाद, नागपुर, पिम्परी (पुणे), पीतमपुर (इन्दौर), सूरत, तिरुपुर, वाराणसी, नासिक, रूद्रपुर (नैनीताल), दिघी (पुणे), बड़ोदरा, दौलताबाद (वंजारवाड़ी और झालीवाड़ा), वालुज (औरंगाबाद), अनापार्थी (आन्ध्र प्रदेश), सेलम, मालनपुर, सिंगनालुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अहमदाबाद, भिवाड़ी, मदुरई, भीलवाड़ा, पांडिचेरी, गड़ीहसारा, भटिण्डा, दप्पर (डेरा बासी), छेहराता (अमृतसर), करूर, मिराज, रिवाड़ी, भुसावल, जमशेदपुर, सूरजपुर और दादरी स्थित किसी अंतरदेशीय कंटेपर डिपो के माध्यम से या राणाघाट, सिंहबाद, रक्सौल, जोगबानी, नौतनवा (सौनोली), पैटरापोल और महादीपुर स्थित किसी भूमि सीमाशुल्क स्टेशन के माध्यम से अथवा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 76-क के तहत जारी की गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट विशेष आर्थिक जोनों से किया जाता है ।

(4) यह कि आयातक प्रतिअदायगी अथवा माशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 की 51) की धारा 3 के तहत उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के सेनवेट का उक्त प्रमाणपत्र में क्रेडिट की गई राशि के प्रति प्रतिअदायगी लेने का हकदार होगा ।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ , -

- (i) “पूँजीगत माल” का अर्थ विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 9.12 में निर्दिष्ट उसी अर्थ से है, -
- (ii) “विदेश व्यापार नीति” का अर्थ भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 1/2004, तारीख 31 अगस्त, 2004 को प्रकाशित एवं समय-समय पर यथा-संशोधित विदेश व्यापार नीति 2004-2009 से अभिप्रेत है ;
- (iii) “लाइसेंसिंग प्राधिकारी” का अभिप्राय विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 6 के तहत नियुक्त किए गए महानिदेशक, विदेश व्यापार अथवा उनके द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन लाइसेंस देने के लिए प्राधिकृत किए गए किसी अधिकारी से है ।

[फा. सं. 605/50/2005-प्रतिअदायगी]

एच. के. प्रसाद, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 2005

No. 41/2005-CUSTOMS

G.S.R. 282(E).— exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962); the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts inputs or goods including capital goods, which are freely importable, when imported into India against a duty credit certificate (hereinafter referred to as the said certificate) issued under Vishesh Krishi Upaj Yojana (Special Agricultural Produce Scheme) in accordance with paragraph 3.8 of the Foreign Trade Policy, -

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975),
- (b) from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, 1975,

subject to the following conditions, namely :-

- (1) that the said certificate has been issued to an exporter of products specified in paragraph 3.8.1 of the Foreign Trade Policy by the Licensing Authority and it is produced before the proper officer of customs at the time of clearance for debit of the duties leviable on the goods:

Provided that exemption from duty shall not be admissible if there is insufficient credit in the said certificate for debiting the duties leviable on the goods, but for this exemption;

- (2) that import of items listed in paragraph 3.8.3.1 of the Policy shall not be allowed;
- (3) that the imports against the said certificate are undertaken through sea ports at Mumbai, Kolkata, Cochin, Magdalla, Kakinada, Kandla, Mangalore, Marmagao, Chennai, Nhava Sheva, Paradeep, Pipavav, Sikka, Tuticorin, Visakhapatnam, Dahej, Mundhra, Nagapattinam, Okha, Bedi (including Rozi – Jamnagar), Muldwarka and Porbander or through any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Mumbai, Kolkata, Coimbatore, Delhi, Hyderabad, Jaipur, Chennai, Srinagar, Trivandrum, Varanasi, Nagpur, Cochin and Rajasansi (Amritsar) or through any of the Inland Container Depots at Agra, Bangalore, Coimbatore, Delhi, Faridabad, Gauhati, Guntur, Hyderabad, Jaipur, Jalandhar, Kanpur, Ludhiana, Moradabad, Nagpur, Pimpri (Pune), Pitampur (Indore), Surat, Tirupur, Varanasi, Nasik, Rudrapur (Nainital), Dighi (Pune), Vadodara, Daulatabad (Wanjarwadi and Maliwada), Waluj (Aurangabad), Anaparthi (Andhra Pradesh), Salem, Maianpur, Singanailur, Jodhpur, Kota, Udaipur, Ahmedabad, Bhiwadi, Madurai, Bhilwara, Pondicherry, Garhi Harsaru, Bhatinda, Dappar (Dera Bassi), Chheharata (Amritsar), Karur, Miraj, Rewari, Bhusawal, Jamshedpur, Surajpur and Dadri or through the Land Customs Station at Ranaghat, Singhabad, Raxaul, Jogbani, Nautarva (Sonauli), Petrapole and Mahadipur or Special Economic Zones as specified in the notification issued under section 76A of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (4) that the importer shall be entitled to avail of the drawback or CENVAT credit of additional duty leviable under Section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) against the amount debited in the said Certificate.

Explanation, - For the purposes of this notification, -

- (i) "Capital goods" has the same meaning as is assigned to it in paragraph 9.12 of the Foreign Trade Policy;

- (ii) "Foreign Trade Policy " means the Foreign Trade Policy 2004-2009, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No.1/2004, dated the 31st August, 2004 as amended from time to time;
- (iii) "Licensing Authority" means the Director General of Foreign Trade appointed under section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act,1992 (22 of 1992) or an officer authorised by him to grant a license under the said Act.

[F.No. 605/50/2005-DBK]

H. K. PRASAD, Under Secy.